प्रैस नोट

केन्द्रीय शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान भीमताल का 38 वॉ स्थापना दिवस समारोह

दिनांक 24 सितम्बर, 2025 को केन्द्रीय शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान भीमताल ने अपना 38 वां स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर कार्यक्रम के विशिष्ट मुख्य अतिथि माननीय सांसद नैनीताल, उधमसिंह नगर श्री अजय भटटजी, संस्थान के भूतपूर्व निदेशक डा. के.के.वास तथा प्रधान डा. सी.बी.जोशी, विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा.लक्ष्मीकांत, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान मुक्तेश्वर के संयुक्त निदेशक डा.यशपाल मल्लिक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के प्रधान वैज्ञानिक डा. प्रेम कुमार उपस्थित थे । कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्जवलन से किया गया। संस्थान के निदेशक डा अमित पाण्डे ने विशिष्ट अतिथियों का स्वागत पुष्प देकर किया तथा संस्थान की वर्तमान में चल रही गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होने संस्थान में चल रही वर्तमान की परियोजनाओं के साथ–2 पर्वतीय राज्यों में संस्थान द्वारा किए जा रहे अनुसंधान कार्यों के बारे मे भी विस्तार से बताया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय सांसद नैनीताल, उधमसिंह नगर श्री अजय भटटजी ने अपने संबोधन में संस्थान के स्थापना दिवस पर संस्थान के सभी सदस्यों को बधाई दी और संस्थान के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होने अपने संबोधन में कहा कि उत्तराखण्ड के भीमताल क्षेत्र में इस केन्द्रीय संस्थान का होना यहां की जनता के लिए विशेष महत्वपूर्ण है। इस संस्थान के होने से स्थानीय मत्स्य पालक मत्स्य पालन से संबन्धित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करेंगे। उन्होने आगे कहा कि यह संस्थान अपने कार्य को खूब अच्छे से कर रहा है। उन्होने आश्वासन दिया कि इस संस्थान के विस्तार के लिए राज्य सरकार से वार्ता कर शीध्र ही भूमि उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा

इस अवसर संस्थान के भूतपूर्व निदेशक डा. के.के.वास ने संस्थान द्वारा शीतजल के क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधान कार्यो की प्रशंसा क। उन्होने इस संस्थान के पूर्व पृष्ठभूमि की चर्चा करते हुए बताया कि कैसे आज यह संस्थान अपनी प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होने संस्थान की उच्चस्तरीय प्रयोगशालाओं, आर.ए.एस.;पुर्नजल संचरण प्रणालीद्ध फीड मील को देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह संस्थान देश के अग्रणी अनुसंधान सस्थान है। उन्होने इस संस्थान को निदेशालय से केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान का दर्जा प्राप्त होने पर बधाई दी। उन्होंने अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर शोधार्थियों के आदान प्रदान की भी बात की तथा वैज्ञानिकों एवं मत्स्य पालकों के बीच आपसी समन्वय करने पर जोर दिया ।

भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान मुक्तेश्वर के संयुक्त निदेशक डा.यशपाल मल्लिक ने संस्थान के 38 वें स्थापना दिवस के अवसर पर संस्थान के सभी सदस्यों को बधाई दी और इस संस्थान द्वारा शीतजल के क्षेत्रों पर किए जा रहे कार्यो की भूरी–भूरी प्रशंसा की। विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा.लक्ष्मीकांत ने संस्थान के स्थापना दिवस के अवसर पर अपना बधाई संदेश देते हुए इसके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने समन्वित कृषि पर जोर दिया तथा किसानों की आजिविका को दोगुना करने पर जोर दिया ।

इस अवसर पर संस्थान में दिनांक 1–15 सितम्बर तक आयोजित हिन्दी पखवाड़ा समारोह के दौरान आयोजित की गयी विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं में विजित प्रतिभागियों को मुख्य अतिथियों कर कमलों से पुरस्कार वितरित भी करवाए गए। जिसका संचालन हिन्दी अधिकारी श्री अमित कुमार जोशी ने किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डा. आर.एस. पतियाल,डा. चन्द्रा, डा.एस.अली डा. सुमंत मल्लिक,डा.नीतू, डा.डिम्पल,डा.अख्तर,डा.परवेज साहित वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी श्री डी.सी.सती, प्रशासनिक अधिकारी श्रीमती खिलावती रावत, पी.सी.तिवारी, श्री अंकेश, श्रीमती सुशीला तिवारी साहित तकनीकी एवं दैनिक वेतनभेगी कर्मचारी उपस्थित थे।